नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(A Central University Established by Parliament by Act No.3 of 1997)

प्रवेश-विवरणिका

(स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम)

शैक्षणिक सत्र : 2025-26

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा 1996 ई. में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 ई. में केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। देश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम (वर्धा) से लगभग दस किलोमीटर दूर नागपुर-मुंबई राजमार्ग पर अवस्थित है। विश्वविद्यालय का क्षेत्रफल लगभग 212 एकड़ है।

विश्वविद्यालय की स्थापना सुदीर्घ प्रयत्नों का सुफल है। हिंदी भाषा और साहित्य की उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक् विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश-दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे अधुनातन अनुशासनों की अद्यतन ज्ञान-सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। आज के बहुभाषा-भाषी विश्व में एक समर्थ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान स्थापित करना भी विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है। विश्वविद्यालय में भाषा विद्यापीठ, साहित्य विद्यापीठ, संस्कृति विद्यापीठ, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, विधि विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ एवं प्रबंधन विद्यापीठ के अंतर्गत शोध, परास्नातक, स्नातक और पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रयागराज, कोलकाता तथा रिद्धपुर में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र हैं जहाँ कई कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय दूर शिक्षा के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को दृष्टिगत रखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस विश्वविद्यालय में आवासीय परिसर के साथ साइबर परिसर की सह-परिकल्पना की गई है। इसके लिए आधुनिक तकनीकी उपादानों को संयोजित किया गया है। साइबर परिसर को संभव बनाने के लिए विश्वविद्यालय में 'लीला' (Laboratory in Informatics for Liberal Arts) की स्थापना की गयी है। पारंपरिक पुस्तकालय के साथ डिजिटल पुस्तकालय का विकास भी विश्वविद्यालय की योजना का अंग है। मौलिक और मानक ग्रंथों का प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों, दस्तावेज़ों का संग्रह, विश्वकोशों और संदर्भकोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएँ हैं।

कुलपति का संदेश

प्रिय शिक्षार्थियों,

अकादमिक वर्ष 2025–26 हेतु महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आपका हार्दिक स्वागत है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा पारित अधिनियम, 1997 क्रमांक 03 के अंतर्गत एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में वर्धा, महाराष्ट्र में हुई है। यह एकमात्र ऐसा विद्या उपार्जन का केंद्र है, जो मुख्यतः हिंदी भाषा और साहित्य की उन्नति और विकास के साथ–साथ अन्य भारतीय भाषाओं के उन्नयन और विकास तथा सुसंगत विद्या–शाखाओं में ज्ञान–विज्ञान को उपलब्ध कराने और हिंदी की प्रकार्यात्मक क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक में इस विश्वविद्यालय ने कार्य करना आरंभ किया। विश्वविद्यालय का सूत्र वाक्य ज्ञान, शांति, मैत्री ही उसका मार्गदर्शक सिद्धांत है। वैयक्तिक और सामाजिक विकास के अवसर प्रदान करने का उद्यम गांधीवादी उद्देश्य के अनुकूल है। शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व, नैतिक व्यवहार, वैश्विक भ्रातृत्व और सांस्कृतिक आदान–प्रदान गांधी, विनोबा, अंबेडकर, दीनदयाल, सावरकर, दत्तोपंत ठेंगड़ी जैसे महापुरुषों के विचारों की बुनियादी आधारभूमि है। यह विश्वविद्यालय इन मूल्यों और विचारों को अपने पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों में आत्मसात करने के लिए अभिप्रेरित है।

विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा होती है कि वहाँ से उपजे नए विचार और नवाचार जीवन की गुणवत्ता के संवर्द्धन में सहायक होंगे। सूचना और ज्ञान के विस्फोट के वर्तमान युग में शिक्षा संस्थानों के लिए ज्ञान को व्यापक समाज तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना एक जटिल चुनौती है। ऐसे में यह विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को एक जीवंत शैक्षिक और सांस्कृतिक परिवेश उपलब्ध कराता है जहाँ विविध सृजनात्मक प्रवृत्तियों के विकास पर बल दिया जाता है। माननीय राष्ट्रपति और कुलाध्यक्ष ने भाषा, साहित्य, संस्कृति, अनुवाद एवं निर्वचन, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, विधि, शिक्षा तथा प्रबंधन के विद्यापीठों में अध्ययन–अध्यापन और शोध की अनुमति दी है। हिंदी और भारतीय भाषाओं के माध्यम से विधि शिक्षा के उद्देश्य से बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय कार्यक्रम भी प्रारंभ हो चुका है। इस समय संचालित शैक्षिक विभाग एवं केंद्र इस प्रकार हैं : भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा अध्ययन, भारतीय भाषा अध्ययन, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, मराठी साहित्य, संस्कृत साहित्य, गांधी एवं शांति अध्ययन, प्रदर्शनकारी कला, सिनेमा अध्ययन, स्त्री अध्ययन, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन, डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन, दर्शन एवं संस्कृति, अनुवाद अध्ययन, श्री चमनलाल प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, पराविद्या उच्च शोध एवं ज्ञान–सर्जन, वर्धा समाज कार्य संस्थान, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, शिक्षा, जनसंचार, विधि, मानवविज्ञान, मनोविज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन। इन सभी अनुशासनों में अध्ययन–अध्यापन और शोध किया जाता है। हिंदी भाषा के बहुविध प्रयोग को समर्थ बनाने के लिए यहाँ निरंतर प्रयास किया जा रहा है, विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र के अंतर्गत विदेशी भाषाओं (चीनी, जापानी, फ्रेंच, स्पैनिश) का अध्ययन–अध्यापन हो रहा है, साथ ही यहाँ विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी अध्ययन की सुविधा भी उपलब्ध है।

इसके क्षेत्रीय केंद्र–कोलकाता, प्रयागराज एवं सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र रिद्धपुर, अमरावती (महाराष्ट्र) में अकादमिक कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय का एक दूर शिक्षा निदेशालय भी है जिसमें कई पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने अपने अन्य सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए कई कार्य किये हैं। एक अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में उच्च अध्ययन का यह संस्थान भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि और परंपराओं को समाहित करते हुए आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उच्च अध्ययन में अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करने की दिशा में प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रक्रिया में संचार की नई तकनीकों, कल्पनाशीलता तथा सीखने के अनुभवपरक अवसरों के साथ–साथ सामाजिक जीवन से जुड़ने को भी महत्त्व दिया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के क्रियान्वयन से अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय कृतसंकल्प है तथा इस दिशा में देश के अग्रगण्य विश्वविद्यालय के रूप में अग्रसर है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आप यहाँ के प्राकृतिक परिवेश और अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं के साथ आगे बढ़ सकेंगे। महात्मा गांधी और विनोबा भावे की कर्मभूमि में स्थित यह विश्वविद्यालय आपके समग्र व्यक्तित्व का विकास करते हुए आपको योग्य, सक्षम एवं संवेदनशील नागरिक बनने का अवसर देगा। मैं आपको आश्वस्त करती हूँ कि विश्वविद्यालय के अध्यापक और कर्मी आने वाले सभी विद्यार्थियों के अध्ययन को सफल एवं सार्थक बनाने के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएँगे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

कुलपति

अनुक्रम

1. **विश्वविद्यालय के विद्यापीठ** ---------- 05–13

(1.1) **भाषा विद्यापीठ** : भाषाविज्ञान विभाग, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा अध्ययन विभाग, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय भाषा अध्ययन विभाग ---------- 05

(1.2) **साहित्य विद्यापीठ** : हिंदी साहित्य विभाग, नाट्यकलाशास्त्र विभाग, सिनेमा (फिल्म) अध्ययन विभाग, मराठी साहित्य विभाग, संस्कृत साहित्य विभाग ---------- 06

(1.3) **संस्कृति विद्यापीठ** : गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर-सिदो-कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र, स्त्री अध्ययन विभाग, डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र, दर्शन एवं संस्कृति विभाग ---------- 07

(1.4) **अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ** : अनुवाद अध्ययन विभाग, श्री चमनलाल प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग, तुलनात्मक साहित्य विभाग,पराविद्या उच्च शोध एवं ज्ञान सृजन केंद्र ---------- 08

(1.5) **मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ** : जनसंचार विभाग, मानवविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग, समाजशास्त्र विभाग, इतिहास विभाग ---------- 09

(1.6) **विधि विद्यापीठ** : विधि विभाग ---------- 10

(1.7) **शिक्षा विद्यापीठ** : शिक्षा विभाग, मनोविज्ञान विभाग ---------- 10

(1.8) **प्रबंधन विद्यापीठ** : प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग ---------- 11

2. **संस्थान**

वर्धा समाज कार्य संस्थान ---------- 11

3 **क्षेत्रीय केंद्र/अध्ययन केंद्र**

(3.1) क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज ---------- 12

(3.2) क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता ---------- 13

(3.3) सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र रिद्धपुर, अमरावती (महाराष्ट्र) ---------- 13

4. **विश्वविद्यालय के वर्धा मुख्यालय में संचालित नियमित कार्यक्रम** 14-16

(4.1) परास्नातक कार्यक्रम ---------- 14-16

(4.2) स्नातक कार्यक्रम ---------- 17-20

(4.3) परास्नातक (पी.जी.) डिप्लोमा/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कार्यक्रम ---------- 20

5. **विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों/अध्ययन केंद्र पर संचालित कार्यक्रम** ---------- 21-23

6. **अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी कार्यक्रम** ---------- 24-25

7. **शुल्क-विवरण (नियमित कार्यक्रम)** ---------- 26–28

8. **प्रवेश के नियम** ---------- 29-30

9. **रैगिंग निषेध संबंधी विवरण** ---------- 30

10. **आंतरिक शिकायत समिति (ICC)** ---------- 30

11. **दूर शिक्षा निदेशालय** ---------- 31

12. **उपलब्ध सुविधाएँ तथा एन.एस.एस.** ---------- 31-35

13. **एन.सी.सी.** ---------- 36

14. **अकादमिक कैलेंडर 2025-26** ---------- 37

15. **मानचित्र** ---------- 38

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
माननीय कुलाध्यक्ष

प्रो. कुमुद शर्मा
कुलपति

प्रो. आनन्द पाटील
कुलसचिव (कार्यवाहक)

विश्वविद्यालय के विद्यापीठ, विभाग, केंद्र एवं संस्थान

भाषा विद्यापीठ

भाषा विद्यापीठ की संकल्पना भाषा केंद्रित अध्ययन के एक अनूठे केंद्र के रूप में की गयी है। हिंदी भाषा का विकास, प्रोन्नयन और पहचान स्थापित करना विद्यापीठ का मूल उद्देश्य है। एतर्थ हिंदी की प्रभावी प्रकार्यात्मक क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में उसका विकास विद्यापीठ का अभीष्ट लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यापीठ की मुख्य कार्य-योजनाएँ इस प्रकार हैं–

1. हिंदी भाषा के सभी पक्षों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन।
2. हिंदी एवं उसकी आधार भाषाओं (अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मारवाड़ी, मालवी आदि) संबंधी सर्वेक्षण तथा अध्ययन।
3. हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
4. भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध ज्ञान को हिंदी के लिए सुलभ बनाना।
5. हिंदी के लिए प्रौद्योगिकीय उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर का विकास।
6. भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी मौलिक ज्ञान का हिंदी में सृजन।
7. हिंदी के क्षितिज-विस्तार के लिए विदेशी भाषाओं का अध्ययन।
8. अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन।

इन कार्य-योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और विविध प्रकार के विस्तार कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। भाषा विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किये गये हैं–

1. भाषाविज्ञान विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. भाषाविज्ञान
- पीएच.डी. हिंदी भाषा
- एम.ए. भाषाविज्ञान
- एम.ए. हिंदी भाषा
- हिंदी भाषा में चार वर्षीय स्नातक
- भाषाविज्ञान में चार वर्षीय स्नातक

2. अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा अध्ययन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. स्पैनिश भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद
- पीएच.डी. फ्रांसीसी भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद
- पीएच.डी. चीनी भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद
- स्पैनिश में चार वर्षीय स्नातक
- फ्रांसीसी में चार वर्षीय स्नातक
- चीनी में चार वर्षीय स्नातक
- जापानी में चार वर्षीय स्नातक
- अंग्रेजी भाषा में चार वर्षीय स्नातक

3. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी
- पीएच.डी. इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग
- एम.सी.ए. मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन
- एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी
- भाषा प्रौद्योगिकी में चार वर्षीय स्नातक
- कंप्यूटर अनुप्रयोग में चार वर्षीय स्नातक
- कंप्यूटर अनुप्रयोग में पी.जी. डिप्लोमा

4. भारतीय भाषा अध्ययन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- संस्कृत भाषा में चार वर्षीय स्नातक
- मराठी भाषा में चार वर्षीय स्नातक
- उर्दू भाषा में चार वर्षीय स्नातक

साहित्य विद्यापीठ

साहित्य विद्यापीठ हिंदी के साथ-साथ भारतीय एवं विश्व साहित्य के अध्ययन-अध्यापन के लिए समर्पित है। विश्वविद्यालय के उद्देश्य में ही निहित है कि हिंदी भारतीय भाषाओं से संवाद करती हुई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो।

साहित्य समावेशी विद्या है, ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ संबंध रहा है। इस दृष्टि से अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध इस विद्यापीठ की प्रमुख गतिविधि है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग स्थापित किये गये हैं:–

1. हिंदी साहित्य विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. हिंदी साहित्य
- एम.ए. हिंदी साहित्य
- हिंदी साहित्य में चार वर्षीय स्नातक

2. नाट्यकलाशास्त्र विभाग

I. संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. नाट्यकलाशास्त्र
- एम.ए. नाट्यकलाशास्त्र
- नाट्यकलाशास्त्र में चार वर्षीय स्नातक
- संगीत (हिंदुस्तानी गायन) में पी.जी. डिप्लोमा
- नृत्य (कथक) में पी.जी. डिप्लोमा
- संगीत (हिंदुस्तानी गायन) में डिप्लोमा
- संगीत (हिंदुस्तानी गायन) में सर्टिफिकेट

II. प्रस्तावित कार्यकम

- संगीत (कंठ/वोकल) में चार वर्षीय स्नातक
- चित्रकला में चार वर्षीय स्नातक
- नृत्य (कथक/भरतनाट्यम) में चार वर्षीय स्नातक
- वादन में (तबला/सितार/वीणा) चार वर्षीय स्नातक

3. सिनेमा (फिल्म) अध्ययन विभाग
(क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज)

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. सिनेमा (फिल्म) अध्ययन
- एम.ए. सिनेमा (फिल्म) अध्ययन
- सिनेमा (फिल्म) अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

4. मराठी साहित्य विभाग

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए. मराठी
- मराठी साहित्य में चार वर्षीय स्नातक

5. संस्कृत साहित्य विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. संस्कृत
- एम.ए. संस्कृत
- संस्कृत साहित्य में चार वर्षीय स्नातक

संस्कृति विद्यापीठ

संस्कृति विद्यापीठ दार्शनिक चिंतन, सांस्कृतिक अध्ययन, समाजविज्ञान विमर्श एवं बहुसांस्कृतिक अकादमिक विकास के लक्ष्य के प्रति समर्पित है। विद्यापीठ की गतिविधियाँ सामाजिक न्याय एवं शांतिपूर्ण विकास के मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करती हैं। हिंदी भाषा में गंभीर समाजविज्ञान विमर्श, अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध के माध्यम से समाज व संस्कृति के सम्मुख उपस्थित चुनौतियों के अहिंसक एवं शांतिपूर्ण समाधान की तलाश, वंचित एवं हाशिये के समूहों की बराबरी के संघर्ष का अध्ययन करना इस विद्यापीठ के प्रमुख लक्ष्य हैं।

इनउद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किये गये हैं–

1. गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. गांधी एवं शांति अध्ययन
- एम.ए. गांधी एवं शांति अध्ययन
- गांधी एवं शांति अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

2. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर-सिदो-कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन
- एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन
- दलित एवं जनजातीय अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

3. स्त्री अध्ययन विभाग (क्षेत्रीय केंद प्रयागराज)

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. स्त्री अध्ययन
- एम.ए. स्त्री अध्ययन
- स्त्री अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

4. डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. बौद्ध अध्ययन
- एम.ए. बौद्ध अध्ययन
- बौद्ध अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

5. दर्शन एवं संस्कृति विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. दर्शनशास्त्र
- एम.ए. दर्शनशास्त्र
- एम.ए. हिंदू अध्ययन
- दर्शनशास्त्र में चार वर्षीय स्नातक
- हिंदू अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक
- जैन अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

विश्वविद्यालय अधिनियम द्वारा निर्धारित उद्देश्यों की अनुरूपता में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के निम्नलिखित कर्त्तव्य हैं–

1. अनुवाद संबंधी शोध, शिक्षण एवं प्रशिक्षण के कार्यक्रमों का संचालन।
2. भारत और भारत के बाहर विभिन्न ज्ञानानुशासनों के क्षेत्र में संपन्न अनुसंधान और ज्ञान-सामग्री को मुख्यतः हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में विकसित करना और उपलब्ध कराना।
3. हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्धन के लिए भारतीय भाषाओं एवं साहित्य के लिए अनूदित आधार सामग्री का विकास करना।
4. भारतीय भाषाओं के मध्य संवाद एवं आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए सेतु भाषा के रूप में संस्कृत को विकसित करने के उपाय करना।
5. हिंदी में ज्ञान के विकास और मौलिक ज्ञान के सृजन के लिए भारतीय निर्वचन परंपरा का पुनरन्वेषण एवं तदनुरूप उपर्युक्त पद्धतियों का विकास।
6. कौशल संपन्न अनुवादकों, आशु-अनुवादकों एवं निर्वचन-कर्ताओं को तैयार करना तथा राष्ट्रीय स्तर पर इन्हें व्यावसायिक समूहों से संबद्ध करना।
7. राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रवासित/डायस्पोरा समुदाय की भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का भारतीय संस्कृति की सापेक्षता में अध्ययन।

उपरिलिखित कार्य-योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किये गये हैं–

1. अनुवाद अध्ययन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. अनुवाद अध्ययन
- एम.ए. अनुवाद अध्ययन
- अनुवाद में चार वर्षीय स्नातक
- अनुवाद अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा

2. श्री चमनलाल प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन
- प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक
- भारतीय डायस्पोरा में पी.जी. डिप्लोमा

3. तुलनात्मक साहित्य विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. तुलनात्मक साहित्य
- एम.ए. तुलनात्मक साहित्य
- तुलनात्मक साहित्य में चार वर्षीय स्नातक

4. पराविद्या उच्च शोध एवं ज्ञान–सृजन केंद्र

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के सहकार से भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा अनुवाद एवं निर्वचन केंद्रित विषयों पर परानुशासनिक (Transdisciplinary) शोध एवं ज्ञान सर्जन के लिए स्थापित है। वे अभ्यर्थी जो अपने ज्ञानानुशासन की मर्यादाओं से आगे बढ़कर ज्ञान को उसकी संश्लिष्टता एवं एकान्विति में आविष्कृत करना चाहते हैं, इस केंद्र में रिक्त पीएच.डी. सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश हेतु अर्हताएँ अन्य पीएच.डी. कार्यक्रमों के समान होंगी। इस केंद्र के अंतर्गत सीटें पराविद्या उच्च शोध एवं ज्ञान–सर्जन केंद्र के साथ सहयोजित शोध-निर्देशकों के मूल विभागों से स्थानांतरित की जाती हैं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ की स्थापना 2010 ई. में हुई। यह विद्यापीठ हिंदी भाषा के माध्यम से समाज विज्ञान के नवाचारी एवं रोजगारपरक कार्यक्रमों के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध है। समाज में जनमत निर्माण, मीडिया हस्तक्षेप एवं भारतीय समाज की मानवशास्त्रीय व्याख्या आदि अकादमिक एवं व्यावहारिक विमर्श इस विद्यापीठ की गतिविधियों का लक्ष्य है। विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से यह विद्यापीठ समाज से सीधे जुड़कर अपनी शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है। इस विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग स्थापित किये गये हैं–

1. जनसंचार विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. जनसंचार
- एम.ए. जनसंचार
- जनसंचार में चार वर्षीय स्नातक

2. मानवविज्ञान विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. मानवविज्ञान
- एम.ए. मानवविज्ञान
- मानवविज्ञान में चार वर्षीय स्नातक

3. राजनीति विज्ञान विभाग

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए. राजनीति विज्ञान
- राजनीति विज्ञान में चार वर्षीय स्नातक

4. समाजशास्त्र विभाग

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए. समाजशास्त्र
- समाजशास्त्र में चार वर्षीय स्नातक

5. इतिहास विभाग

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए. इतिहास
- इतिहास में चार वर्षीय स्नातक

विधि विद्यापीठ

विधि विद्यापीठ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 की अपेक्षाओं के अनुरूप मातृभाषा में पठन-पाठन की भावना को बलवती करते हुए प्रथमतः हिंदी तथा आगामी वर्षों से संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित अन्य भारतीय भाषाओं में विधिक शिक्षा प्रदान करने का एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। भारतीय भाषाओं में विधिक शिक्षा के माध्यम से वकालत की कला में दक्ष अधिवक्ता तथा न्याय प्रदान करने में सक्षम न्यायाधीशों को तैयार करना विधि विद्यापीठ का अभिलक्ष्य है।

1. विधि विभाग

संचालित कार्यक्रम

- बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एकीकृत)

शिक्षा विद्यापीठ

शिक्षा विद्यापीठ का प्रमुख लक्ष्य विश्वविद्यालय के उद्देश्य के अनुरूप ऐसे शिक्षक तैयार करना है जो हिंदी भाषा एवं साहित्य सहित विभिन्न ज्ञानानुशासनों में हिंदी माध्यम से राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण कर सकें। इस हेतु विद्यापीठ द्वारा शिक्षकों, अध्यापक-शिक्षकों एवं शिक्षाशास्त्र के अध्येताओं के लिए श्रेष्ठ अकादमिक और वृत्तिक विकास के अवसरों को उपलब्ध कराया जाता है। इस विद्यापीठ में भावी शिक्षकों एवं अध्येताओं को समग्र विकास का ऐसा परिवेश उपलब्ध कराया जाता है जिससे वे सुयोग्य, समर्थ, रचनाधर्मी, प्रतिबद्ध, समर्पित, समीक्षात्मक दृष्टि से युक्त, समाज एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तथा शिक्षा-कार्य के लिए अभिप्रेरित अध्यापक, शोधवेत्ता एवं शिक्षाविद् बन सकें। इसके साथ ही शिक्षा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में शोधकार्य को प्रोत्साहित करना, शिक्षा के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का विकास करना एवं हिंदी माध्यम से शिक्षाशास्त्र से संबंधित पाठ्य सामग्री का विकास करना इस विद्यापीठ के उद्देश्यों में निहित है।

इस विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किये गये हैं–

1. शिक्षा विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. शिक्षाशास्त्र
- एम.एड.
- एम.ए. शिक्षाशास्त्र
- बी.एड.
- बी.एड.-एम.एड. (एकीकृत)
- बी.ए.–बी.एड. (आई.टी.ई.पी.) (एकीकृत)

2. मनोविज्ञान विभाग

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए. मनोविज्ञान
- मनोविज्ञान में चार वर्षीय स्नातक
- परामर्श एवं निर्देशन में पी.जी. डिप्लोमा
- योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा

प्रबंधन विद्यापीठ

प्रबंधन विद्यापीठ विद्यापीठ में आधुनिक प्रवृत्तियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदी भाषा में अनुप्रयुक्त व्यावसायिक अध्ययन से जुड़े रोज़गारपरक नवाचारी कार्यक्रम शामिल हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य समाज एवं बाजार की माँग को ध्यान में रखते हुए संबंधित ज्ञान एवं कौशल को विकसित करना है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग स्थापित किया गया है।

1. वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. प्रबंधन
- एम.बी.ए.
- प्रबंधन में चार वर्षीय स्नातक
- वाणिज्य में चार वर्षीय स्नातक

वर्धा समाज कार्य संस्थान

वर्धा समाज कार्य संस्थान का प्रारंभ सन 2007 में महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी शांति अध्ययन केंद्र के रूप में हुआ। यह आगे चलकर समाज कार्य अध्ययन केंद्र के रूप में स्थापित हुआ। सन 2022 में इस अध्ययन केंद्र को वर्धा समाज कार्य संस्थान के रूप में उच्चीकृत कर पुनर्गठित किया गया। यह संस्थान समाज कार्य शिक्षा के देशज स्वरूप, सिद्धांतों और पद्धतियों की सामाजिक आधारशिला को मजबूत बनाने तथा उसके महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के अनुरूप स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट तीनों स्तरों पर समाज कार्य के लिए एक शैक्षिक पाठ्यक्रम तैयार करने और प्रख्यापित करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है। इस हेतु संस्थान समाज कार्य शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में भारतीय मूल्यों एवं दृष्टिकोणों तथा दार्शनिक परंपराओं को समाहित करते हुए स्वदेशी ज्ञान स्रोतों का उपयोग करने का भी प्रयास करता रहा है। संस्थान द्वारा समाज कार्य में चार वर्षीय स्नातक, मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू), और पीएच.डी. (समाज कार्य) कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी समाज कार्य
- एम.एस.डब्ल्यू. (मास्टर ऑफ सोशल वर्क)
- समाज कार्य में चार वर्षीय स्नातक
- एन.जी.ओ. प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज

भूखण्ड संख्या–6/आई-3 झूंसी योजना–3,
प्रयागराज–211019, उत्तर प्रदेश
फोन नं. 0532–2424442
ईमेल: mgahvrcpryj@hindivishwa.ac.in

प्रयागराज केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 ई. में हुई। इस केंद्र पर स्थानीय आवश्यकताओं को समाविष्ट करते हुए विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों में संचालित कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इनमें हिंदी के अनेक नवोन्मेषी कार्यक्रम हैं जो हिंदी के विद्यार्थियों/शोधार्थियों के लिए रोजगार की अनेक संभावनाएँ उद्घाटित करते हैं। मूलतः हिंदी क्षेत्र के केंद्र में स्थित होने के कारण इस केंद्र को हिंदी संबंधी अध्ययन एवं शोध के अनूठे केंद्र के रूप में विकसित करना हैं, जो हिंदी के साथ शेष भारतीय भाषाओं, उनके साहित्य और सांस्कृतिक वैविध्य को अपने अध्ययन का केंद्रीय लक्ष्य मानकर कार्य करने के लिए प्रतिश्रुत है।

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए. अनुवाद अध्ययन
- एम.ए. हिंदी भाषा
- एम.ए. जनसंचार
- अनुवाद अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक
- जनसंचार में चार वर्षीय स्नातक
- हिंदी भाषा में चार वर्षीय स्नातक
- समाजकार्य में चार वर्षीय स्नातक
- राजनीति विज्ञान में चार वर्षीय स्नातक
- अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा

स्त्री अध्ययन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. स्त्री अध्ययन
- एम.ए. स्त्री अध्ययन
- स्त्री अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

सिनेमा (फिल्म) अध्ययन विभाग

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. सिनेमा (फिल्म) अध्ययन
- एम.ए. सिनेमा (फिल्म) अध्ययन
- सिनेमा (फिल्म) अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

एकतान, ईजेडसीसी, आईए.290, सेक्टर 3, साल्ट लेक, कोलकाता–97 (प.बं.) फोन: 033– 46039985
ईमेल: mgahvkolkata@hindivishwa.ac.in

इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 ई. में की गई। इस केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के कार्यक्रमों को विशेषतः उत्तर-पूर्व के विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के लिए की गई। इस केंद्र का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत और सार्क देशों की जनजातीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के साहित्य तथा संस्कृति के साथ हिंदी का संबंध प्रगाढ़ करना, उनसे साहित्यिक-सांस्कृतिक संबंध जोड़ना, पूर्वोत्तर भारत और सार्क देशों की भाषाओं के बीच समन्वय की संस्कृति को बढ़ावा देना है। हिंदी माध्यम से अध्ययन, शोध और नवाचार के अनेक उपक्रमों तथा अनुवाद के माध्यम से कोलकाता केंद्र को पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का अनुशीलन केंद्र और सार्क देशों का अध्ययन केंद्र बनाना है।

संचालित कार्यक्रम

- पीएच.डी. हिंदी साहित्य
- पीएच.डी. गांधी एवं शांति अध्ययन
- एम.ए. गांधी एवं शांति अध्ययन
- एम.ए. हिंदी साहित्य
- एन.जी.ओ. प्रबंधन में पी.जी.डिप्लोमा
- मानवाधिकार में पी.जी. डिप्लोमा

सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर , अमरावती (महा.) - 444704

ईमेल riddhapurcenter@hindivishwa.ac.in,
riddhapurcentermgahv21@gmail.com
मो. 7387891486

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र रिद्धपुर (अमरावती) का प्रारंभ सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी के अष्टजन्म शताब्दी वर्ष पर 08 सितंबर 2021 को हुआ। सत्र 2021-22 से रिद्धपुर केंद्र पर एम.ए. मराठी (साहित्य) कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के अंतर्गत भारतीय भाषाओं के विकास के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। जिसके अंतर्गत रिद्धपुर केंद्र अध्ययन व शोध कार्य का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा है। रिद्धपुर केंद्र के माध्यम से मराठी साहित्य व अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन मराठी भाषा में जो ज्ञान उपलब्ध है उसका अनुवाद और धर्म तत्त्वज्ञान तथा संस्कृति के अध्ययन का कार्य केंद्र द्वारा करने की योजना पर कार्य प्रारंभ हुआ है।

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए. मराठी
- मराठी भाषा में चार वर्षीय स्नातक

विश्वविद्यालय में संचालित नियमित परास्नातक/स्नातक/अन्य कार्यक्रम

वर्धा मुख्यालय

परास्नातक (PG) कार्यक्रम

आरक्षण	नियमानुसार
अवधि	4 सेमेस्टर (2 वर्ष) * 6 सेमेस्टर (3 वर्ष)
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।

क्र.सं.	कार्यक्रम/उपाधि का नाम	अर्हता	सीटों की संख्या	कुल क्रेडिट
1	* बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत)	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विनियम 2014 के प्रावधानों के अनुरूप (किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से विज्ञान/समाज विज्ञान/मानविकी से पोस्ट ग्रेजुऐट के साथ न्यूनतम 55% अंक या समतुल्य हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए केंद्र सरकार के नियमानुसार आरक्षण और छूट होगी।)	50	80
2	बी.एड.	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विनियम 2014 के प्रावधानों के अनुरूप (किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से विज्ञान/समाज विज्ञान/मानविकी से बैचलर/मास्टर डिग्री के साथ न्यूनतम 50% अंक हो। इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता तथा विज्ञान और गणित सहित 55% अंक या समतुल्य हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए केंद्र सरकार के नियमानुसार आरक्षण और छूट होगी।)	50	80
3	एम.ए. गांधी एवं शांति अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	15	80
4	एम.ए. मानवविज्ञान	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय /संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
5	एम.बी.ए.	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयध्संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	104
6	एम.एड.	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, विनियम 2014 के प्रावधानों के अनुरूप (बी.एड., बी.ए.बी.एड., बी.एससी.बी.एड., बी.ईएल.ईडी., डी.ईएल.ईडी. इन कार्यक्रमों से किसी एक में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त हो और बैचलर डिग्री के साथ न्यूनतम 50% अंक हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए केंद्र सरकार के नियमानुसार आरक्षण और छूट होगी।)	50	80
7	एम.ए. शिक्षाशास्त्र	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80

8	एम.ए. जनसंचार	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	60	80
9	एम.ए. नाट्यकलाशास्त्र	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
10	एम.ए. इतिहास	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
11	एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	20	80
12	एम.ए. बौद्ध अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
13	एम.ए. दर्शनशास्त्र	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
14	एम.ए. हिन्दू अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
15	एम.ए. राजनीति विज्ञान	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
16	एम.एस.डब्ल्यू	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	60	80
17	एम.ए. समाजशास्त्र	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
18	एम.ए. हिंदी साहित्य	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	60	80
19	एम.ए. हिंदी भाषा	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	50	80

20	एम.ए. तुलनात्मक साहित्य	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	20	80
21	एम.ए. अनुवाद अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	20	80
22	एम.ए. संस्कृत	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
23	एम.ए. मराठी	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
24	एम.ए. भाषाविज्ञान	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
25	एम.ए. मनोविज्ञान	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
26	मास्टर ऑफ कंप्यूटर अनुप्रयोग (एम.सी.ए.)	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	50	80

वर्धा मुख्यालय

स्नातक (UG) कार्यक्रम

आरक्षण	नियमानुसार
अवधि	8 सेमेस्टर (4 वर्ष)
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।

क्र.सं.	कार्यक्रम/उपाधि का नाम	अर्हता	सीटों की	कुल क्रेडिट
1	भाषाविज्ञान में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	40	160
2	हिंदी भाषा में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
3	संस्कृत भाषा में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
4	मराठी भाषा में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
5	उर्दू भाषा में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
6	अंग्रेजी भाषा में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
7	फ्रांसीसी में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
8	स्पैनिश में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
9	जापानी में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160

10	चीनी में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
11	हिंदी साहित्य में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	60	160
12	संस्कृत साहित्य में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
13	मराठी साहित्य में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
14	नाट्यकलाशास्त्र में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
15	गांधी एवं शांति अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीयध् राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	15	160
16	दर्शनशास्त्र में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
17	हिंदू अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
18	जैन अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
19	बौद्ध अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
20	दलित एवं जनजातीय अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
21	अनुवाद अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160

22	तुलनात्मक साहित्य में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	20	160
23	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातिध्अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	20	160
24	जनसंचार में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	60	160
25	समाज कार्य में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	60	160
26	मानवविज्ञान में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
27	मनोविज्ञान में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
28	समाजशास्त्र में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	40	160
29	इतिहास में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	40	160
30	प्रबंधन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
31	वाणिज्य में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
32	कंप्यूटर अनुप्रयोग में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	60	160
33	भाषा प्रौद्योगिकी में चारवर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	40	160
34	बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) में पंच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एकीकृत)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	60	242

35	राजनीति विज्ञान में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	40	160
36	बी.ए.बी.एड. (आई.टी.ई.पी.) एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम	(ए) शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की सेक्शन 2 के खंड (एन) में परिभाषित 'स्कूल' से औपचारिक शिक्षा वाले अभ्यर्थी वरिष्ठ माध्यमिक या प्लस (+2) परीक्षा या 50% अंकों के साथ समकक्ष, प्रवेश के लिए पात्र हैं। बी) वरिष्ठ माध्यमिक या प्लस (+2) परीक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा में अंकों के प्रतिशत में छूट और अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग या विकलांग व्यक्तियों और किसी भी अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षण के नियमों के अनुसार केंद्र सरकार या राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, जहां भी लागू हो छूट दी जाएगी। **महत्तवपूर्ण निर्देश** : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा किसी भी स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए हिंदी में भाषा परीक्षा अनिवार्य है।	50	160

परास्नातक (पी.जी.) डिप्लोमा/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट

	कार्यक्रम का नाम	**सीटों की संख्या**	**कार्यक्रम का नाम**	**सीटों की संख्या**
	* कंप्यूटर अनुप्रयोग में पी.जी. डिप्लोमा	20	अनुवाद अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा	30
	भारतीय डायस्पोरा में पी.जी. डिप्लोमा	20	परामर्श एवं निर्देशन में पी. जी. डिप्लोमा	50
	संगीत (हिंदुस्तानी गायन) में पी. जी. डिप्लोमा	20	योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा	50
	संगीत (हिंदुस्तानी गायन) में डिप्लोमा	20	संगीत (हिंदुस्तानी गायन)में सर्टिफिकेट	20
	नृत्य (कथक) में पी.जी. डिप्लोमा	20		
अर्हता	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण। * किसी भी विषय में स्नातक (संगणक प्रोग्रामिंग ज्ञान के साथ डी.सी.ए.)			
अवधि	पी.जी. डिप्लोमा/ डिप्लोमा 02 सेमेस्टर (1 वर्ष)		क्रेडिट	40
अवधि	सर्टिफिकेट (01 सेमेस्टर)			
आरक्षण	नियमानुसार			
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।			

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज

परास्नातक (PG) कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम/उपाधि का नाम	अर्हता	सीटों की संख्या	कुल क्रेडिट
1	एम.ए. हिंदी भाषा	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	50	80
2	एम.ए. सिनेमा (फिल्म) अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
3	एम.ए. अनुवाद अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
4	एम.ए. स्त्री अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
5	एम.ए. जनसंचार	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	50	80

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज
स्नातक (UG) कार्यक्रम

आरक्षण	नियमानुसार
अवधि	8 सेमेस्टर (4 वर्ष)
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।

क्र.सं.	कार्यक्रम/उपाधि का नाम	अर्हता	सीटों की संख्या	कुल क्रेडिट
1	हिंदी भाषा में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
2	अनुवाद अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
3	सिनेमा (फिल्म) अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
4	स्त्री अध्ययन में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से विज्ञान/कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160
5	समाजकार्य में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	60	160
6	राजनीति विज्ञान में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	40	160
7	जनसंचार में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (Multiple entry & Exit Scheme विकल्प के साथ)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	60	160

पी.जी. डिप्लोमा	अनुवाद		
अर्हता	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण।		
अवधि	02 सेमेस्टर (1 वर्ष)	क्रेडिट	40
सीट	30		
आरक्षण	नियमानुसार		
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।		

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

परास्नातक (PG) कार्यक्रम

आरक्षण	नियमानुसार
अवधि	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।

क्र.सं.	कार्यक्रम/उपाधि का नाम	अर्हता	सीटों की संख्या	कुल क्रेडिट
1	एम.ए. हिंदी साहित्य	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
2	एम.ए. गांधी एवं शांति अध्ययन	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	20	80

परास्नातक (PG) डिप्लोमा

	कार्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या		
	एन.जी.ओ. प्रबंधन	20		
	मानवाधिकार	20		
अर्हता	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण।			
अवधि	02 सेमेस्टर (1 वर्ष)		क्रेडिट	40
आरक्षण	भारत सरकार के नियमानुसार			
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।			

सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर (अमरावती)

परास्नातक (PG)/स्नातक (UG) कार्यक्रम

आरक्षण	नियमानुसार
अवधि	8 सेमेस्टर (4 वर्ष)
प्रवेश	अर्हता परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर।

क्र.सं.	कार्यक्रम/उपाधि का नाम	अर्हता	सीटों की संख्या	कुल क्रेडिट
1	एम.ए. मराठी	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% सामान्य वर्ग के लिए (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।	40	80
2	मराठी भाषा में चार वर्षीय स्नातक	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड अथवा समकक्ष संस्था से कला वर्ग में कम–से–कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ अथवा समकक्ष ग्रेड के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।	30	160

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी कार्यक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समन्वयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए भी विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय का भाषा विद्यापीठ अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन, प्रबंधन, नियमन और शिक्षण करता है। अब तक इन कार्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों. जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरिशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया आदि के विद्यार्थी विभिन्न कार्यक्रमों में अध्ययन कर चुके हैं/कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने समय.समय पर विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किए हैं। ये देश हैं : श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन आदि।

संचालित कार्यक्रम

क्रम	कार्यक्रम का नाम	अवधि	लक्ष्य/अर्हता
1	आधार कार्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है।
2	अल्पावधि गहन/ प्रमाणपत्र कार्यक्रम (Short Term Intensive Certificate Programme)	4 सप्ताह	ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी जिन्होंने कम-से-कम 1 या 2 सेमेस्टर की हिंदी संबंधी पाठ्यचर्या पूरी की हो।
3	सर्टिफिकेट	2 सेमेस्टर (1 वर्ष)	10+2 अथवा समतुल्य और हिंदी भाषा से सामान्य परिचय अथवा 4 सप्ताह का आधार कार्यक्रम
4	बी.ए. हिंदी (भाषा, साहित्य और संस्कृति)	6 सेमेस्टर (3 वर्ष)	10+2 और/दो सेमेस्टर का डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कार्यक्रम (यदि हिंदी भाषा व्यवहार में दक्षता नहीं है तो)
5	एम.ए. हिंदी	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)	बी.ए. हिंदी (भाषा, साहित्य और संस्कृति) अथवा हिंदी में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा (02 सेमेस्टर) के साथ सुसंगत विषयों में समतुल्य स्नातक उपाधि
6	पीएच.डी.	यू.जी.सी.नियमानुसार	हिंदी अथवा सुसंगत विषय में 55% अंकों के साथ परास्नातक उपाधि अथवा समतुल्य ग्रेड

टिप्पणी : जिन विश्वविद्यालयों के साथ महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का अनुबंध (MoU) है, उनके विद्यार्थियों के लिए आवश्यकता आधारित अन्य कार्यक्रम भी संचालित होंगे।

1. सभी कार्यक्रमों के लिए अनिवार्य शुल्क Compulsory fees for all courses		राशि (रुपये/डॉलर में) Amount in INR/USD
(i) प्रवेश शुल्क (Admission fee)		10 USD अथवा समतुल्य INR
(ii) परिचय-पत्र शुल्क (Identity card fee)		05 USD अथवा समतुल्य INR
(iii) पुस्तकालय शुल्क (Library fee)		10 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)
(iv) इंटरनेट शुल्क (Internet fee)		150 INR (Per Month)
(v) परीक्षा शुल्क (Exam fee)		10 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)
2. शिक्षण शुल्क (Tuition Fee)		**राशि (डॉलर में) Amount in USD**
आधार पाठ्यचर्या (Foundation Course)		200 USD अथवा समतुल्य INR
अल्पावधि गहन/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम Short Term Intensive/Certificate Programme		200 USD अथवा समतुल्य INR
सर्टिफिकेट कार्यक्रम (Certificate Programme)		400 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)
हिंदी में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम Four Year Undergraduate Programme in Hindi		800 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)
एम.ए. हिंदी (M.A. Hindi)		800 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)
पी-एच.डी. (Ph.D.)		2000 USD अथवा समतुल्य INR (Per Year)
3. छात्रावास शुल्क (Hostel Fee)		**राशि (रुपये में) Amount in INR**
1. Room Rent (including AC - Gym with Water - Electricity Charges)	Air Conditioned	6000 INR (Per Month)
	Non AC (Air Cooled)	4000 INR (Per Month)
4. छात्रावास मेस शुल्क (Hostel Mess Fee)		**राशि (रुपये में) Amount in INR**
(i) नाश्ता (Breakfast)		90 INR
(ii) लंच/डिनर (Lunch/Dinner)		100 INR (Per Meal)
(iii) चाय (Tea)		10 INR
(iv) कॉफी (Coffee)		10 INR

सुविधाएँ : फ़ादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास (वातानुकूलित) में आवासीय सुविधा, आई.सी.टी. सुविधायुक्त वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, भाषा प्रयोगशाला, इंटरनेट (वाई-फाई), व्यायामशाला एवं क्रीड़ा-स्थल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र।

प्रवेश : पीएच.डी. में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश–प्रक्रिया में शामिल होना होगा, अन्य कार्यक्रमों के अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को निर्धारित पात्रता होने पर प्रवेश–परीक्षा से छूट दी गयी है। किंतु विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी दक्षता संबंधी परीक्षा ली जा सकती है। प्रवेश होने की स्थिति में उन्हें निम्नलिखित दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे–

1. छात्र वीज़ा (अन्य प्रकार के वीज़ा मान्य नहीं)
2. चिकित्सा प्रमाणपत्र (भारत सरकार द्वारा निर्धारित)
3. अर्हता (तुल्यता) प्रमाण पत्र।

प्रवेश के संबंध में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

संपर्क : फ़ोन: +91–7152–251661, ई.मेल: admissionmgahv@hindivishwa.ac.in

शुल्क-विवरण : नियमित कार्यक्रम

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

शुल्क मद /कार्यक्रम का नाम व शुल्क विवरण	सेमेस्टर	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
स्नातक	प्रथम	550	1600	1000	250	विभाग/केंद्र द्वारा आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	150	50	50	80	600	50	100	4480
	द्वितीय		1600											2600
	तृतीय		1600											2850
	चतुर्थ		1600											2600
	पंचम		1600											2850
	षष्ठ		1600											2600
	सप्तम		1800		350									3150
	अष्ठ		1800											2900

परास्नातक (एम.ए.)

शुल्क मद/ कार्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	इंटरनेट शुल्क ((प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
परास्नातक/ एम.ए. श्रेणी-01	प्रथम	550	1800	1000	200	विभाग/केंद्र द्वारा आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	150	50	50	80	600	50	100	4630
	द्वितीय		1800		200		150				600		–	2750
	तृतीय		1800		200		150	50	50		600	50	100	3000
	चतुर्थ		1800		200		150				600		–	2750
परास्नातक/ एम.ए. श्रेणी-02	प्रथम	550	2200	1000	200		150	50	50	80	600	50	100	5030
	द्वितीय		2200		200		150				600		–	3150
	तृतीय		2200		200		150	50	50		600	50	100	3400
	चतुर्थ		2200		200		150				600		–	3150

श्रेणी : 01 हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, हिंदी भाषा, अनुवाद अध्ययन, संस्कृत, मराठी, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मानवविज्ञान, गांधी एवं शांति अध्ययन, शिक्षाशास्त्र, जैन अध्ययन एवं हिंदू अध्ययन, मनोविज्ञान।

श्रेणी : 02 नाट्यकलाशास्त्र, संगीत, सिनेमा (फिल्म) अध्ययन, एम.एस.डब्ल्यू. एवं जनसंचार।

एम.बी.ए. / एम.सी.ए.

शुल्क मद / कार्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
एम.बी.ए./एम.सी.ए.	प्रथम	550	3600	1000	275	विभाग/केंद्र द्वारा आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	150	50	50	80	600	50	100	6505
	द्वितीय		3600											4625
	तृतीय		3600											4875
	चतुर्थ		3600											4625

एम.एड. / बी.एड.

शुल्क मद /कार्यक्रम का नाम व श्रेणी के अंतर्गत शुल्क विवरण	सेमेस्टर	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
एम.एड. श्रेणी-01	प्रथम	3000	6000	1000	375	विभाग/केंद्र द्वारा आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	150	50	50	80	600	50	100	11455
	द्वितीय		6000											7125
	तृतीय		6000											7375
	चतुर्थ		6000											7125
बी.एड. श्रेणी-02	प्रथम	2500	4800	1000	325		150	50	50	80	600	50	100	9705
	द्वितीय		4800											5875
	तृतीय		4800											6125
	चतुर्थ		4800											5875

बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत)

शुल्क मद /कार्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
बी.एड.- एम.एड. (एकीकृत)	प्रथम	3000	6000	1000	375	विभाग/केंद्र द्वारा आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	150	50	50	80	600	50	100	11455
	द्वितीय		6000											7125
	तृतीय		6000											7375
	चतुर्थ		6000											7125
	पंचम		6000											7375
	षष्ठ		6000											7125

बी.ए.–बी.एड. (ITEP) चार वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम

शुल्क मद /कार्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
बी.ए.-बी.एड. (आई.टी.ई.पी.)	प्रथम	2000	3520	1000	250	विभाग/केंद्र द्वारा आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	150	50	50	80	600	50	100	7850
	द्वितीय		2880											3880
	तृतीय		2880											4130
	चतुर्थ		2880											3880
	पंचम		2880											4130
	षष्ठ		3520											4520
	सप्तम		4800											6050
	अष्ठ		4800											5800

बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) (पंचवर्षीय) स्नातक कार्यक्रम (एकीकृत)

शुल्क मद /कार्यक्रम का नाम	सेमेस्टर	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एकीकृत)	प्रथम	550	15000	1000	250	विभाग/केंद्र द्वारा आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	150	50	50	80	600	50	100	17880
	द्वितीय		15000		250		150				600			16000
	तृतीय		15000		250		150	50	50		600	50	100	16250
	चतुर्थ		15000		250		150				600			16000
	पंचम		15000		250		150	50	50		600	50	100	16250
	षष्ठ		15000		250		150				600			16000
	सप्तम		15000		350		150	50	50		600	50	100	16350
	अष्ठ		15000		350		150				600			16100
	नवम		15000		350		150	50	50		600	50	100	16350
	दशम		15000		350		150				600			16100

पी.जी. डिप्लोमा / डिप्लोमा / सर्टिफिकेट (एक सेमेस्टर) :

शुल्क मद /कार्यक्रम श्रेणी के अंतर्गत शुल्क विवरण	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य/शैक्षणिक भ्रमण	परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क (एक बार देय)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (वार्षिक)	खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल ₹
पी.जी. डिप्लोमा/डिप्लोमा व सर्टिफिकेट : प्रथम सेमेस्टर	550	1450		250	1000	50	80	50	50	100	3580
पी.जी. डिप्लोमा/डिप्लोमा : द्वितीय सेमेस्टर		1450		250							1700

पी.जी. डिप्लोमा : अनुवाद, मानवाधिकार,एन.जी.ओ प्रबंधन, योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन, संगीत (हिंदुस्तानी गायन) परामर्श एवं निर्देशन

डिप्लोमा : संगीत (हिन्दुस्तानी गायन)

सर्टिफिकेट : संगीत (हिन्दुस्तानी गायन) (एक सेमेस्टर)

विभागों / कार्यक्रमों संबंधी और अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट : http://hindivishwa.org/school.aspx पर लॉगइन करें।

विश्वविद्यालय महात्मा गांधी के नाम पर स्थापित है। अतः प्रवेशार्थियों से यह अपेक्षा होगी कि वे महात्मा गांधी की आचार-पद्धति और गांधीवादी मूल्यों के प्रति सम्मानशील रहें।

अकादमिक विशेषताएँ

1. प्रत्येक विद्यार्थी को बिना अतिरिक्त शुल्क के कंप्यूटर में प्रशिक्षण की सुविधा।
2. 24×7 वाई-फाई युक्त संपूर्ण परिसर एवं सीसीटीवी कैमरे की सुविधा।
3. सी.बी.सी.एस. (CBCS) एवं अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF) के अनुसार विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार वैकल्पिक पाठ्यचर्याएं चुनने की स्वतंत्रता।
4. अर्न व्हाइल लर्न (EWL) योजना के अंतर्गत जरूरतमंद विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए अध्ययन कार्यक्रम जारी रखने में सहयोग।
5. मनोवैज्ञानिक परामर्श हेतु परामर्शदाताओं का नियोजन।
6. अधिदेशना (Mentoring) की व्यवस्था।

प्रवेश के नियम

1. प्रत्येक कार्यक्रम हेतु पृथक्–पृथक् ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
2. समस्त कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया से होंगे। प्रक्रिया का विवरण संबंधित कार्यक्रम के साथ अंकित है और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश संबंधी प्रक्रिया एवं नियमों में कोई बदलाव होता है तो वह केवल विश्वविद्यालय की **वेबसाइटः** www.hindivishwa.org पर अपलोड किया जायेगा। प्रवेश के इच्छुक आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें। सूचना प्राप्ति में देरी, सूचना न मिलने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की नहीं होगी। प्रवेश संबंधी शिकायत/सुझाव विश्वविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश शिकायत निवारण (Admission Grievances) पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं।
3. नवप्रवेशित विद्यार्थियों/शोधार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के अधिनियम, परिनियम, अध्यादेशों, नियमों और विनियमों के साथ ही समय-समय पर जारी कार्यालयादेशों, अधिसूचनाओं, सूचनाओं तथा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।
4. विश्वविद्यालय के विद्यार्थी/शोधार्थी एक नियमित कार्यक्रम के साथ अन्य अकादमिक कार्यक्रमों में यू.जी.सी. के नियमानुसार प्रवेश ले सकेंगे।
5. किसी विषय में उच्च उपाधि धारक को उसी विषय के निम्न उपाधि कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
6. किसी भी कार्यक्रम की प्रवेश की पात्रता के रूप में निर्धारित अर्हता परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थी अपने निजी उत्तरदायित्व पर प्रवेश-परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयनित होने की स्थिति में वे प्रवेश के लिए तभी अधिकृत होंगे, जब उन्होंने अर्हता परीक्षा में अंकों का न्यूनतम निर्धारित प्रतिशत प्राप्त किया होगा। उन्हें पंजीयन के लिए निश्चित समय-सीमा (प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा) से पूर्व अर्हता परीक्षा के अंतिम अंक-पत्र सहित सभी दस्तावेज़ जमा कराने होंगे। ऐसा न करने की स्थिति में उनका प्रवेश/नामांकन स्वतः निरस्त माना जाएगा।
7. प्रवेश प्राप्त प्रत्येक विद्यार्थी को मूल प्रवजन (माइग्रेशन) प्रमाण-पत्र/स्थानांतरण प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व जमा करना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी प्रवेश के दौरान किसी कारणवश प्रवजन प्रमाण-पत्र जमा नहीं कर सकेंगे, उन विद्यार्थियों को प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व जमा करना अनिवार्य होगा; अन्यथा परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
8. प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करते समय आवश्यक दस्तावेज सॉफ्टकॉपी के रूप में उपलब्ध कराएँ और दिए गए अन्य निर्देशों का पालन करें। ऑनलाइन आवेदन के लिए https://mgahvadmission.samarth.edu.in के माध्यम से आवेदन करें।
9. चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों/दस्तावेज़ों की एक-एक प्रति अकादमिक विभाग में जमा करनी होगी तथा मूल प्रति सत्यापन के लिए उपलब्ध करानी होगी।
10. शैक्षणिक भ्रमण मद में प्राप्त राशि से ही शैक्षणिक भ्रमण आयोजित होंगे। अतिरिक्त व्यय विद्यार्थी स्वयं वहन करेंगे।
11. स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग श्रेणी के विद्यार्थियों को यू.जी.सी. नियमानुसार शिक्षण शुल्क से छूट दी जाएगी।

12. स्नातक एवं परास्नातक के विद्यार्थियों को छात्रावास शुल्क ₹900/– प्रति सेमेस्टर देय होगा।
13. पीएच.डी. में अध्ययनरत शोधर्थियों/विद्यार्थियों को छात्रावास शुल्क ₹2,400/– प्रति वर्ष देय होगा।
14. अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-प्रपत्र में दी गई सूचना गलत पायी जाने पर उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।
15. **आरक्षण** : भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार देय होगा। सीटें रिक्त होने पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्थान नियमानुसार अंतरपरिवर्तनीय होंगे। अनुसूचित जाति को 15%, अनुसूचित जनजाति को 7.5%, अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) को 27% एवं आर्थिक कमजोर वर्ग को 10% आरक्षण देय है, जबकि दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को 5% क्षैतिज आरक्षण (Horizontal Reservation) देय है।
16. **शिक्षण माध्यम** : विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं परीक्षा का माध्यम हिंदी है। अतः सभी प्रवेशार्थियों से हिंदी भाषा में दक्षता अपेक्षित है।
17. **शुल्क वापसी** : किसी भी कार्यक्रम से नामांकन रद्द होने/रद्द कराने की स्थिति में शुल्क की वापसी नियमानुसार ही हो सकेगी।
18. प्रवेश के संबंध में किसी मामले में विवाद की स्थिति में न्यायाधिकार क्षेत्र वर्धा/नागपुर होगा।
19. नये प्रवेश के पश्चात् आगामी छमाही आरम्भ होने के एक माह के अन्दर शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा की स्थिति में अधिकतम 15 दिन तक का बिलम्ब शुल्क ₹500/देय होगा।
20. शैक्षणिक कार्यक्रमों में बहु–प्रवेश और निकास (MEES) प्रणाली का विकल्प यू.जी.सी. नियमानुसार होगा।
21. रिद्धपुर अध्ययन केंद्र को छोड़कर, किसी भी कार्यक्रम में दूसरी इकाई मुख्यालय/केंद्र पर तभी आरंभ होगी जब पहली इकाई (मुख्यालय) में विद्यार्थियों की निर्धारित संख्या (15) पूरी हो जायेगी।

रैगिंग निषेध संबंधी विवरण

विश्वविद्यालय परिसर (छात्रावास सहित) में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने वाले विद्यार्थियों पर नियामानुसार अनुशासनात्मक/कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में प्रवेश के समय विद्यार्थी एवं उसके अभिभावक का स्वहस्ताक्षरित शपथपत्र देना अनिवार्य है। रैगिंग निषेध से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी सावधानीपूर्वक इसका अवलोकन करें तथा संबंधित प्रावधानों से अवगत हों।

लैंगिक उत्पीड़न के विरूद्ध आंतरिक शिकायत समिति

आंतरिक शिकायत समिति (ICC) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निवारण करने के लिए है। यह कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम के तहत गठित समिति है।

आंतरिक शिकायत समिति की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

दूर शिक्षा निदेशालय

दूर शिक्षा निदेशालय

दूर शिक्षा कार्यक्रमों का उद्देश्य देश भर के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले उच्च शिक्षा के अभिलाषी विद्यार्थियों के लिए हिंदी माध्यम से विभिन्न ज्ञानानुशासनों में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। ये कार्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है जिनकी नियमित उच्च शिक्षा सेवायोजित होने अथवा किन्हीं अन्य कारणों से बाधित हो गयी है। दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों के विस्तृत जानकारी के लिए दूरभाष नं. **07152–255360, 247146** तथा **टोल फ्री नं.18002331575, मो. 8275221619** पर संपर्क किया जा सकता है।

उपलब्ध सुविधाएँ

1. **छात्रावास** : नियमित कार्यक्रमों के विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता तथा वरीयता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास हेतु आवेदन–पत्र नामांकन के उपरांत विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है। छात्रावास आवंटन के पश्चात विद्यार्थियों को दो माह का अग्रिम मेस शुल्क (अनुमानित रू.6000/) विश्वविद्यालय के **खाता सं.: 972110210000063, IFSC Code : BKID0009721** में जमा करना होगा। समस्त अंतेवासियों को मेस में खाना अनिवार्य होगा।

छात्रावास सुविधा के संबंध में केंद्र/राज्य सरकार द्वारा संक्रामक बीमारी संबंधी जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। अकादमिक सत्र 2025–26 में छात्रावासों में रिक्त स्थानों की संख्या सीमित है। अतः प्रवेश परीक्षा में प्राप्तांक के आधार पर तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित आरक्षण के अनुसार छात्रावास के लिए आवंटन किया जायेगा। प्रवेशित विद्यार्थियों को केवल वर्धा मुख्यालय पर ही छात्रावास की सुविधा प्रदान की जायेगी।

विश्वविद्यालय छात्रावास

भगतसिंह छात्रावास

चन्द्रशेखर आज़ाद छात्रावास

बिरसा मुण्डा छात्रावास

राजगुरु छात्रावास

छत्रपति संभाजी महाराज छात्रावास

सुखदेव छात्रावास

लक्ष्मीबाई केळकर छात्रावास

सावित्रीबाई फुले छात्रावास

फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास

2. लीला (LILA) एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला

'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित सूचना-प्रौद्योगिकी अनुषंग है। इक्कीसवीं सदी की विश्व व्यवस्था में सामान्यतः और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषतः सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (Computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठ्यसंहिता के अंतर्गत रखा है। विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में अभिकलन-आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलनमूलक स्वतंत्र कार्यक्रमों को चलाना, 'लीला' की जिम्मेदारियाँ हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूटर के शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

2. केंद्रीय पुस्तकालय

महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्य-पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु महत्त्वपूर्ण शोध-पत्रिकाएँ, ई-संसाधन एवं ऑनलाइन जर्नल भी उपलब्ध हैं।

4. क्रीड़ा और खेलकूद

विश्वविद्यालय का विद्यार्थी शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्त्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। विश्वविद्यालय ने मेजर ध्यानचंद की स्मृति में एक स्थायी क्रीड़ा स्थल विकसित किया है।

COMPETITION

विश्व योग दिवस

5. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में धन्वतंरि चिकित्सालय तथा 24×7 एम्बुलेंस सेवा की सुविधा उपलब्ध है। शिशु विहार केंद्र भी संचालित है।

6. नियोजन प्रकोष्ठ

विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर से परिचित कराने एवं इसके लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से विश्वविद्यालय में व्यवसाय एवं नियोजन प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। यह प्रकोष्ठ समय–समय पर रोजगार एवं नियोजन के संदर्भ में मार्गदर्शन एवं परामर्श से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इस प्रकोष्ठ का यह भी प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को उभरते स्वरोजगार के अवसरों से भी परिचित कराया जाये।

7. राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme)

यह भारत सरकार, युवा और खेल मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। भारत के कॉलेजों और विश्वविद्यालय स्तर पर तकनीकी संस्थान, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न सरकारी नेतृत्व वाली सामुदायिक सेवा गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए एक सक्रिय सदस्य होने के नाते इन छात्र स्वयंसेवकों के पास एक कुशल सामाजिक नेता, कुशल प्रशासक और मानव स्वभाव को समझने वाले व्यक्ति होने का प्रदर्शन और अनुभव होगा। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना 2013 से संचालित है। इसमें कुल 250 सीटें हैं।

8. एन.सी.सी (National Cadet Corps)

एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। इसके अलावा इसका उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व गुणों के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक पूल बनाना है, जो राष्ट्र की सेवा करेंगे चाहे वे किसी भी कैरियर का चयन करें। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवा भारतीयों को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। शैक्षणिक सत्र 2021–22 से 21 महाराष्ट्र बटालियन एनसीसी, वर्धा से विश्वविद्यालय एन.सी.सी. ईकाई को मान्यता प्राप्त है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
अकादमिक कैलेंडर
शैक्षणिक सत्र : 2025-26

(क)	**अकादमिक कैलेंडर**	
01	शैक्षणिक सत्र परास्नातक (प्रथम सेमेस्टर)	04 अगस्त, 2025 से
02	शैक्षणिक सत्र स्नातक (प्रथम सेमेस्टर)	04 अगस्त, 2025 से
03	स्नातक सत्र (तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर)	15 जुलाई, 2025 से
04	टर्मपेपर/सेमिनार जमा करने की अंतिम तिथि	08 दिसंबर, 2025
05	क्षेत्रीय/परियोजना कार्य जमा करने की अंतिम तिथि	15 दिसंबर, 2025
06	परीक्षा तैयारी अवकाश	13 दिसंबर, 2025 से 21 दिसंबर, 2025
07	अधिसत्र परीक्षा (प्रथम,तृतीय,एवं पंचम सेमेस्टर)	22 दिसंबर, 2025 से 16 जनवरी, 2026
08	शीत–सत्र अवकाश	12 जनवरी, 2026 से 23 जनवरी 2026
09	शैक्षणिक सत्र (द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठ सेमेस्टर)	27 जनवरी, 2026
10	टर्मपेपर/सेमिनार जमा करने की अंतिम तिथि	25 अप्रैल, 2026
11	क्षेत्रीय/परियोजना कार्य जमा करने की अंतिम तिथि	01 मई, 2026
12	ग्रीष्मावकाश	08 मई, 2026 से 21 जून, 2026
13	अधिसत्र परीक्षा (द्वितीय,चतुर्थ एवं षष्ठ सेमेस्टर)	23 जून, 2026 से 10 जुलाई 2026
(ख)	**अन्य आयोजन/कार्यक्रम**	
01	कबीर जयंती	11 जून, 2025
02	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	21 जून, 2025
03	तुलसीदास जयंती	31 जुलाई 2025
04	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2025
05	शिक्षक दिवस	5 सितंबर, 2025
06	हिंदी दिवस	14 सितंबर, 2025
07	विश्व अनुवाद दिवस	30 सितंबर, 2025
08	महात्मा गांधी जयंती	2 अक्टूबर, 2025
09	राष्ट्रीय एकता दिवस	31 अक्टूबर, 2025
10	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	11 नवंबर, 2025
11	भारतीय भाषा दिवस	11 दिसंबर, 2025
12	स्थापना दिवस	08 जनवरी, 2026
13	विश्व हिंदी दिवस	10 जनवरी, 2026
14	राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी, 2026
15	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी, 2026
16	अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी, 2026
17	डॉ.बी.आर. आंबेडकर जयंती	14 अप्रैल, 2026

वर्धा महाराष्ट्र राज्य का एक जिला मुख्यालय है। यह नागपुर से लगभग 80 कि.मी. दूर नागपुर, मुंबई राजमार्ग पर स्थित है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तपस्थली 'सेवाग्राम' वर्धा में ही स्थित है। वर्धा की अवस्थिति देश के लगभग बीचों–बीच है। वर्धा पहुँचना बहुत आसान है। रेल, सड़क और वायु–तीनों मार्गों से यहाँ पहुँचा जा सकता है। रेलमार्ग से यह समूचे देश से जुड़ा है। यहाँ 'सेवाग्राम' और 'वर्धा' दो रेलवे स्टेशन हैं। यहाँ से लगभग 70 कि.मी दूरी पर नागपुर का डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी है, जहाँ से देश के सभी प्रमुख शहरों के लिए नियमित उड़ानें हैं।

ज्ञान शांति मैत्री

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha (Maharashtra)

गांधी हिल्स, वर्धा - 442 001 (महाराष्ट्र) भारत, फोन : (07152) 251661

टोल फ्री नंबर : 1800 233 2141

ई-मेल : admissionmgahv@hindivishwa.ac.in, ar.academic@hindivishwa.ac.in

वेबसाइट : www.hindivishwa.org